SHAH TIMES, Delhi, 5.5.2021
Page No. 1, Size:(8.47)cms X (14.22)cms.

बंगाल में हुई हिंसा का मानवाधिकार आयोग ने लिया संज्ञान

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में चुनावी नतीजों के बाद हुईं हिंसक घटनाओं का राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने संज्ञान लिया है। आयोग ने जांच का निर्देश देते हुए दो हफ्तों में रिपोर्ट मांगी है। मालूम हो कि दो मई को आए पांचों विधानसभा चुनाव के नतीजों के बाद बंगाल में कई जगह लूटपाट, हिंसा, हत्याओं के मामले सामने आए थे। बीजेपी ने इसका आरोप टीएमसी पर लगाया है। राष्ट्रीय महिला आयोग ने भी बंगाल के नंदीग्राम में कुछ महिलाओं की कथित तौर पर पिटाई की घटना पर चिंता जताते हुए राज्य पुलिस से कहा था कि इस मामले में तत्काल कार्रवाई करते हुए दोषियों को गिरफ्तार किया जाए और समयबद्ध तरीके से जांच की जाए। हिंसा की घटनाओं पर संज्ञान लेते हुए आयोग ने कहा कि उसे विभिन्न अखबारों में प्रकाशित हुईं कई मीडिया रिपोर्ट्स से चुनावी नतीजों के बाद तीन मई को बंगाल में हुईं कई लोगों की मौतों के बारे में पता चला है। राजनीतिक पार्टियों के कार्यकर्ताओं की एक-दूसरे के साथ भिड़ंत हुई, जिसमें पार्टी दफ्तरों पर हमला किया गया, जबकि कुछ घरों में भी तोड़फोड़ की गई। महत्वपूर्ण सामान को भी लूट लिया गया। जिला प्रशासन और स्थानीय कानून और व्यवस्था प्रवर्तन एजेंसियों ने प्रभावित व्यक्तियों के मानवाधिकारों के इस तरह के उल्लंघन को रोकने के लिए कार्रवाई नहीं की है।

■ **आयोग ने जांच का निर्देश देते हुए दो हफ्तों में रिपोर्ट मांगी**

DAINIK JAGRAN, Rastriya Sanskaran, 5.5.2021
Page No. 1, Size:(18.32)cms X (16.50)cms.

बंगाल में हिंसा पर केंद्र का सख्त रुख

उपद्रव पर सवाल ▶ बेकाबू होती कानून-व्यवस्था पर प्रधानमंत्री बेहद गंभीर, राज्यपाल को किया फोन

मुस्लिम बहुल इलाकों में हिंसा अधिक, राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग करेगा जांच

राज्य ब्यूरो, कोलकाता

बंगाल में विधानसभा चुनाव परिणाम आने के बाद से जारी हिंसा पर केंद्र ने सख्त रुख दिखाया है। सोमवार को केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा राज्य सरकार से रिपोर्ट मांगे जाने के बाद मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बंगाल में बेकाबू होती कानून-व्यवस्था पर राज्यपाल जगदीप धनखड़ को फोन कर गंभीर चिंता और पीड़ा जताई तथा हिंसा रोकने के लिए सख्त कदम उठाने को कहा। विधानसभा चुनाव के दौरान और नतीजों के बाद जारी हिंसा, उपद्रव, आगजनी और महिलाओं के साथ दुष्कर्म की घटनाओं ने राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग व राष्ट्रीय महिला आयोग को भी झकझोर दिया है। कई जिलों में हिंसा की खबरों के बाद राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने जांच के आदेश दिए हैं। प्रधानमंत्री, गृह मंत्रालय और मानवाधिकार आयोग के सख्त रुख के बाद बंगाल की कार्यवाहक मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मंगलवार शाम अपने आवास पर राज्य के आला अधिकारियों के साथ अहम बैठक की। इस बीच, कोलकाता पहुंचे भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने भाजपा कार्यकर्ताओं पर हमलों की निंदा करते हुए इसे देश विभाजन के समय की हिंसा सरीखा बताया। हिंसा की आंच सुप्रीम कोर्ट तक भी पहुंची जहां इसे रोकने व जांच के लिए दो याचिकाएं दायर की गई हैं। बंगाल में रविवार से जारी हिंसा मंगलवार को भी नहीं रुकी और राज्य के अलग-अलग हिस्सों से उपद्रव की खबरें आती रहीं। उन इलाकों में अधिक हिंसा हो रही है जो मुस्लिम बहुल हैं। हुगली का आरामबाग हो, बीरभूम जिले का नानूर या फिर शीतलकूची और दिनहाटा। इन सभी इलाकों में भारी हिंसा और लूटपाट की घटनाएं हुई हैं। बता दें कि भाजपा ने सोमवार को हिंसा में अपने नौ कार्यकर्ताओं के मारे जाने का आरोप लगाया था। हालांकि तृणमूल कांग्रेस ने इन आरोपों का खंडन किया है।

- चौतरफा दबाव के बाद ममता बनर्जी ने देर शाम बुलाई अहम बैठक, उपद्रवियों पर कार्रवाई के दिए आदेश
- बंगाल पहुंचे नड्डा, कहा- भारत के बंटवारे के वक्त हुई थी ऐसी हिंसा, आज पूरे देश में भाजपा का धरना

पीएम नरेंद्र मोदी फाइल फोटो

पीएम ने फोन किया और कानून-व्यवस्था की स्थिति पर गंभीर पीड़ा और चिंता व्यक्त की। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से मैं इन गंभीर चिंताओं को साझा करता हूं। हिंसा, आगजनी, लूट और हत्याएं बेरोकटोक जारी हैं। इन्हें रोका जाना जरूरी है।
-जगदीप धनखड़, राज्यपाल, बंगाल

राष्ट्रीय महिला आयोग ने लिया स्वत : संज्ञान

कोलकाता : बंगाल के बीरभूम जिले के नानूर से भाजपा उम्मीदवार तारक साहा की पोलिंग एजेंट बनी दो महिला कार्यकर्ताओं से तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के लोगों द्वारा सामूहिक दुष्कर्म किए जाने की घटना पर राष्ट्रीय महिला आयोग ने स्वत : संज्ञान लिया है। राष्ट्रीय महिला आयोग की प्रमुख रेखा शर्मा बुधवार को बंगाल आ रही हैं और वह टीम के साथ पीड़ित महिलाओं से मुलाकात करेंगी।

हिंसा के शिकार भाजपा कार्यकर्ताओं के स्वजन से मिले नड्डा

बंगाल में हिंसा के बीच कोलकाता पहुंचे भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने पार्टी कार्यकर्ता अभिजीत सरकार के स्वजन से मिलकर ढांढस बंधाया। हिंसा में अभिजीत को भी जान चली गई है। एएनआइ

भाजपा कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ाने के लिए जेपी नड्डा दो दिवसीय दौरे पर मंगलवार को कोलकाता पहुंचे और एयरपोर्ट पर उतरते ही सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) पर जोरदार हमला बोला। उन्होंने कहा, बंगाल में चुनाव परिणाम के बाद हिंसा की घटनाओं ने हमें दुखी और हैरान किया है। मैंने ऐसी घटनाओं के बारे में भारत के बंटवारे के वक्त सुना था। आजाद भारत में चुनाव परिणाम के बाद पहले कभी ऐसी असहिष्णुता नहीं देखी थी। हम लोकतांत्रिक तरीके से लड़ाई के लिए तैयार हैं। नड्डा ने दक्षिण 24 परगना तथा कोलकाता के बेलेघाटा में हिंसा के शिकार भाजपा कार्यकर्ताओं के घर जाकर उनके स्वजन से मुलाकात की। इस दौरान नड्डा के साथ भाजपा महासचिव भूपेंद्र यादव एवं कैलाश विजयवर्गीय समेत प्रदेश अध्यक्ष दिलीप घोष भी मौजूद थे। बंगाल में हिंसा के खिलाफ भाजपा बुधवार को पूरे देशभर में धरना देगी। कोलकाता में नड्डा खुद धरने पर बैठेंगे।

सरमा ने कहा, बंगाल से भागकर असम पहुंचे तीन-चार सौ भाजपा कार्यकर्ता

गुवाहाटी, प्रेट्र : असम के कैबिनेट मंत्री और भाजपा नेता हिमंता बिस्व सरमा ने कहा है कि चुनाव बाद हिंसा के कारण करीब चार सौ भाजपा कार्यकर्ता स्वजन सहित बंगाल से पलायन कर असम की सीमा में दाखिल हुए हैं। सरमा ने ममता बनर्जी से आग्रह किया कि वह 'डेमोनोक्रेसी' के इस घिनौने चेहरे पर लगाम लगाएं। उन्होंने ट्वीट किया, हिंसा और उपद्रव के बाद बंगाल भाजपा के सैकड़ों कार्यकर्ता स्वजन सहित डुबरी से होते हुए असम में दाखिल हुए हैं। हम उन्हें भोजन व आश्रय उपलब्ध करा रहे हैं।

प्रधानमंत्री ने राज्यपाल जगदीप धनखड़ से फोन पर राज्य के हालात पर चिंता व्यक्त की। राज्यपाल ने मंगलवार दोपहर को ट्वीट कर इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया, पीएम हिंसा, लूटपाट, आगजनी और हत्याओं के बीच राज्य में बेकाबू होती कानून-व्यवस्था पर बेहद गंभीर और चिंतित दिखे। राज्यपाल ने हिंसा को लेकर बंगाल के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) पी. नीरजनयन और कोलकाता के पुलिस कमिश्नर (सीपी) सोमेन मित्रा से तत्काल रिपोर्ट भी तलब की है।

मानवाधिकार आयोग का स्थानीय प्रशासन पर गंभीर आरोप पेज»4

DAINIK JAGRAN, Rastriya Sanskaran, 5.5.2021
Page No. 1, Size:(18.32)cms X (16.50)cms.

मानवाधिकार आयोग का स्थानीय प्रशासन पर गंभीर आरोप

प्रथम पृष्ठ से आगे

दूसरी तरफ, समाचार एजेंसी प्रेट्र के अनुसार, मानवाधिकार आयोग ने कहा है कि मंगलवार को कई मीडिया रिपोर्ट से बंगाल में बड़े पैमाने पर हिंसा की जानकारी मिली है। राजनीतिक दलों के कार्यकर्ताओं में कथित रूप से भिड़ंत हुई, दुकानें लूटी गईं और घरों में तोड़फोड़ की गई। आयोग ने एक बयान में कहा कि स्थानीय प्रशासन और कानून व्यवस्था के लिए जिम्मेदार एजेंसियां मानवाधिकारों के इस घोर उल्लंघन को रोकने में नाकाम रहीं। यह निर्दोष लोगों के जीवन के अधिकार पर खतरे का मामला है और हमने उप महानिरीक्षक (जांच) से अफसरों की एक टीम बनाकर मौके पर जांच कराने का आदेश दिया है।

ममता ने दिया हिंसा रोकने का आदेश : चौतरफा दबाव के बीच कार्यवाहक मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मंगलवार शाम अपने कालीघाट स्थित आवास पर वरिष्ठ अफसरों के साथ बैठक में हिंसा पर अंकुश लगाने व इसमें शामिल लोगों के खिलाफ कार्रवाई के लिए निर्देश दिए।

MORNING STANDARD, Delhi, 5.5.2021
Page No. 8, Size:(19.72)cms X (13.37)cms.

Modi dials Bengal governor over violence

BJP president Nadda meets kin of party workers killed, says current situation a reflection of TMC's intolerance

PRANAB MONDAL @ Kolkata

WITH the post-election violence raging across West Bengal, Prime Minister Narendra Modi on Tuesday dialed the state's Governor Jagdeep Dhankhar to take stock of the situation.

Modi's call to Dhankhar came hours after the Ministry of Home Affairs (MHA) sought a detailed report from the West Bengal government on the law and order situation in the state. Meanwhile, BJP's national president JP Nadda arrived in Kolkata on Tuesday on a two-day Bengal visit to meet the families of the BJP workers who were killed in the violence. Nadda compared the violence to the atrocities of the people during the country's partition.

BJP's state president Dilip Ghosh requested the governor to postpone Mamata Banerjee's swearing-in ceremony till the law and order are restored.

Dhankar condemned the alleged "assault on democracy". "Police @WBPolice @CPKolkata must end senseless political violence, vandalism, arson, killings and intimidation that shames democracy. Bengali diaspora across the world has expressed concerns over the alarming lawlessness. Why post-poll violence only WB? Why this assault on democracy?" he tweeted.

BJP national president J P Nadda accompanied by party leaders meets victims of post-poll violence in West Bengal's Sonarpur on Tuesday | PTI

Nadda met the families of two BJP workers killed by alleged TMC supporters in Kankurgachi in Kolkata and Sonarpur in South 24 Parganas. "I have heard about the immense atrocities committed during the Partition. But I have never seen such post-poll violence occurring in West Bengal after the declaration of election results. The present law and order situation is a reflection of the ruling party's intolerance.," he said.

> **The present law and order situation is a reflection of the ruling party's intolerance**
>
> JP Nadda, BJP President

Meanwhile, the National Human Rights Commission (NHRC) on Tuesday ordered a spot inquiry by a fact-finding team into the incidents of violence. "Considering as a fit case of the alleged violation of Right to Life of the innocent citizens, the commission has today taken suo-motu cognizance of the matter and has requested its DIG to constitute a team of officers of the Investigation Division of the commission to conduct an on-the-spot fact-finding investigation and to submit a report at the earliest," NHRC said, in a statement.

NAVODYA TIMES, Delhi, 5.5.2021
Page No. 02, Size:(20.70)cms X (7.09)cms.

मानवाधिकार आयोग ने बंगाल में हिंसा की जांच का दिया आदेश

नई दिल्ली, 4 मई (एजेंसी): राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने पश्चिम बंगाल के कई जिलों में चुनाव के बाद हिंसा के मामले सामने आने के बाद जांच का आदेश दिया है। पश्चिम बंगाल में सोमवार को हिंसा में भाजपा के कुछ कार्यकर्ता मारे गए और कई घायल हो गए तथा दुकानों में लूटपाट की गयी। केंद्र ने राज्य में विपक्षी कार्यकर्ताओं पर हमले की घटनाओं को लेकर सरकार से तथ्यात्मक रिपोर्ट सौंपने को कहा है। अधिकारियों ने बताया कि बर्द्धमान जिले में रविवार और सोमवार को तृणमूल कांग्रेस और भाजपा के समर्थकों में कथित झड़प में चार लोगों की मौत हो गयी। वहीं, तृणमूल कांग्रेस ने दावा किया कि मारे गए लोगों में तीन पार्टी के समर्थक थे। एनएचआरसी ने कहा कि पश्चिम बंगाल में चुनाव के बाद सोमवार को हुई हिंसा में कुछ लोगों की मौत के बारे में अखबारों में प्रकाशित खबरों का उसने संज्ञान लिया है। आयोग ने कहा कि राजनीतिक कार्यकर्ताओं के बीच कथित तौर पर झड़पें हुई, पार्टी के कार्यालयों में आगजनी की गयी और कई मकानों में तोड़फोड़ के साथ ही लूटपाट की गई। आयोग ने कहा कि ऐसा लगता है कि जिला प्रशासन और कानून लागू करने वाली स्थानीय एजेंसियों ने प्रभावित लोगों के मानवाधिकारों के उल्लंघन को रोकने के लिए कार्रवाई नहीं की। एनएचआरसी ने एक बयान में कहा, 'बेकसूर नागरिकों के जीवन के अधिकार के कथित उल्लंघन की घटनाओं का आयोग ने स्वत: संज्ञान लिया है। डीआईजी (जांच) से एक टीम बनाकर घटनास्थल पर तथ्यान्वेषी जांच कराकर जल्द से जल्द रिपोर्ट सौंपने का अनुरोध किया है।'

केंद्र ने राज्य से रिपोर्ट सौंपने को कहा

DAINIK JAGRAN, Rastriya Sanskaran, 5.5.2021
Page No. 7, Size:(13.18)cms X (13.81)cms.

उत्तराखंड के जस्टिस प्रफुल्ल चंद्र पंत बने एनएचआरसी के चेयरमैन

जागरण संवाददाता, नैनीताल

न्यायिक क्षेत्र में उत्तराखंड मूल की शख्सियत को राष्ट्रीय स्तर पर बड़ी जिम्मेदारी मिली है। सुप्रीम कोर्ट व नैनीताल हाई कोर्ट के पूर्व जस्टिस प्रफुल्ल चंद्र पंत को राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) का चेयरमैन नियुक्त किया है। न्यायमूर्ति पंत आयोग के सदस्य के रूप में 22 अप्रैल 2019 को नियुक्त हुए थे। पंत उत्तराखंड के पहले विधि एवं न्याय सचिव रह चुके हैं। 13 अगस्त 2014 से 29 अगस्त 2017 तक सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश रहे हैं। उनकी चेयरमैन पद पर नियुक्ति 25 अप्रैल से प्रभावी मानी गई है।

पिथौरागढ़ जिले के मूल निवासी पंत ने इलाहाबाद विवि से स्नातक और लखनऊ विवि से एलएलबी की उपाधि प्राप्त की। न्यायमूर्ति पंत ने 1973 में इलाहाबाद उच्च न्यायालय में प्रैक्टिस शुरू की। 1973 में उत्तर प्रदेश न्यायिक सेवा में प्रवेश किया और उन्हें 1990 में उत्तर प्रदेश उच्चतर न्यायिक सेवा में पदोन्नत किया गया। वह जिला एवं सत्र न्यायाधीश नैनीताल और नैनीताल हाई कोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल भी बने। न्यायमूर्ति प्रफुल्ल चंद्र पंत ने 29 जून 2004 को नैनीताल हाई कोर्ट के अतिरिक्त न्यायाधीश के रूप में शपथ ली। 2008 को उच्च न्यायालय के स्थायी न्यायाधीश नियुक्त हुए। 2013 को मेघालय हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश बने।

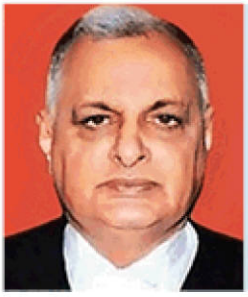

जिले से लेकर सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश रह चुके हैं पिथौरागढ़ के मूल निवासी पंत

HINDU, Delhi, 5.5.2021
Page No. 9, Size:(9.59)cms X (12.69)cms.

NHRC to probe post-poll violence in West Bengal

NEW DELHI

The National Human Rights Commission (NHRC) ordered an in-house fact-finding team to investigate the post-poll violence in West Bengal. The rights body took *suo motu* cognisance of media reports on the death of some people in the violence, a day after the election results were declared.

VEER ARJUN, Delhi, 5.5.2021
Page No. 01, Size:(20.20)cms X (13.69)cms.

बंगाल हिंसा : एनएचआरसी ने दिया जांच का आदेश

बंगाल पहुंचकर बोले भाजपा चीफ - हम जंग को तैयार

विशेष प्रतिनिधि

नई दिल्ली/कोलकाता। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने पश्चिम बंगाल के कई जिलों में चुनाव के बाद हिंसा के मामले सामने आने के बाद जांच का आदेश दिया है।

एनएचआरसी ने कहा कि पश्चिम बंगाल में चुनाव के बाद सोमवार को हुई हिंसा में कुछ लोगों की मौत के बारे में अखबारों में प्रकाशित खबरों का उसने संज्ञान लिया है। आयोग ने कहा कि राजनीतिक कार्यकर्ताओं के बीच कथित तौर पर झड़पें हुई, पार्टी के कार्यालयों में आगजनी की गयी और कई मकानों में तोड़फोड़ के साथ ही लूटपाट की गई। आयोग ने कहा कि ऐसा लगता है कि जिला प्रशासन और कानून लागू करने वाली स्थानीय एजेंसियों ने प्रभावित लोगों के मानवाधिकारों के उल्लंघन को रोकने के लिए कार्वाई नहीं की। एनएचआरसी ने एक बयान में कहा, बेकसूर नागरिकों के जीवन के अधिकार के कथित उल्लंघन की घटनाओं का आयोग ने स्वत: संज्ञान लिया है। डीआईजी जांचा से आयोग के जांच अनुभाग के अधिकारियों की एक टीम बनाकर घटनास्थल पर तथ्यान्वेषी जांच कराकर जल्द से जल्द या दो सप्ताह के भीतर एक रिपोर्ट सौंपने का अनुरोध किया है।

भाजपा चीफ जेपी नड्डा कोलकाता एयरपोर्ट पर पत्रकारों से बातचीत करते हुए। (छाया : एएनआई)

भारत के बंटवारे में हुई थी ऐसी हिंसा: नड्डा चुनाव नतीजों के बाद से जारी हिंसा के बीच बीजेपी चीफ जेपी नड्डा पश्चिम बंगाल पहुंच गए हैं। कोलकाता में एयरपोर्ट पर उतरते ही जेपी नड्डा ने टीएमसी को हिंसा पर चेतावनी देते हुए कहा कि हम लोकतांत्रिक तरीके से लड़ाई के लिए तैयार हैं। जेपी नड्डा ने कहा, 'वैचारिक लड़ाई के लिए हम पूरी तरह से प्रतिबद्ध हैं। टीएमसी की गतिविधियां असहिष्णुता से भरी हुई हैं। उसके मुकाबले के लिए हम लोकतांत्रिक तरीके से लड़ने को तैयार हैं। मैं अब दक्षिण 24 परगना जाऊंगा और बीजेपी कार्यकर्ताओं के परिजनों से मिलूंगा, जिनकी हिंसा में जान गई है।' जेपी नड्डा के साथ बीजेपी के सीनियर लीडर कैलाश विजयवर्गीय और भूपेंद्र यादव भी बंगाल पहुंचे हैं। जेपी नड्डा ने कहा कि बंगाल विधानसभा चुनाव के नतीजों के बाद जो हुआ है, उन घटनाओं से हम चिंतित हैं और सदमे में हैं। मैंने ऐसी घटनाएं भारत के विभाजन के दौरान ही सुनी थीं। आजाद भारत में चुनाव नतीजों के बाद हमने कभी इस तरह की हिंसा नहीं देखी।

राज्य प्रायोजित हिंसा की वजह से बंगाल जल रहा है: भाजपा

नई दिल्ली, (वीअ)। चुनावी नतीजों के बाद पार्टी कार्यकर्ताओं की कथित हत्या के लिए मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली तृणमूल कांग्रेस पर हमला करते हुए भाजपा ने मंगलवार को आरोप लगाया कि राज्य प्रायोजित हिंसा के कारण पश्चिम बंगाल आज जल रहा है।तृणमूल कांग्रेस की तुलना नाजियों से करते हुए भाजपा ने पश्चिम बंगाल सरकार को फासीवादी करार दिया।भाजपा ने सोमवार को आरोप लगाया था कि चुनाव परिणाम आने के बाद पश्चिम बंगाल में उसके चार कार्यकर्ताओं की हत्या कर दी गई है। आठ चरणों में मतदान संपन्न होने के बाद रविवार को हुई मतगणना में तृणमूल कांग्रेस ने शानदार सफलता हासिल की और लगातार तीसरी बार सत्ता पर कब्जा जमाया।डिजिटल माध्यम से आयोजित संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता संबित पात्रा ने कहा, राज्य प्रायोजित हिंसा के कारण बंगाल जल रहा है। देश के चुनावी इतिहास में कभी भी इस प्रकार का नजारा देखने को नही मिला है, जो आज बंगाल में हो रहा है। बंगाल में हिंसा की निंदा करते हुए उन्होंने कहा कि चुनाव जीतने के बाद लोगों को बड़ा दिल रखना चाहिए।पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में उम्मीदवार रहे पार्टी के अन्य नेता अर्निबान गांगुली ने कहा कि तृणमूल कांग्रेस के लिए मतदान करने वाले लोगों से पूछा जाना चाहिए कि आज जो बंगाल में हो रहा है क्या वह सही है। उन्होंने कहा, तृणमूल कांग्रेस आज जो कर रही है वह नाजियों के जर्मनी वाले फासीवाद के निकट है। यह एक फासीवादी सरकार है। एक लोकतांत्रिक सरकार में ऐसी घटनाएं नही होतीं।

HINDUSTAN, Delhi, 5.5.2021
Page No. 10, Size:(19.71)cms X (11.64)cms.

मानवाधिकार आयोग ने जांच के आदेश दिए

बंगाल हिंसा

नई दिल्ली | एजेंसी

राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने पश्चिम बंगाल के कई जिलों में चुनाव के बाद हिंसा के मामले सामने आने के बाद जांच का आदेश दिया है। बंगाल में सोमवार को हिंसा में भाजपा के कुछ कार्यकर्ता मारे गए और कई घायल हो गए तथा दुकानों में लूटपाट की गई। केंद्र ने राज्य में विपक्षी कार्यकर्ताओं पर हमले की घटनाओं को लेकर सरकार से तथ्यात्मक रिपोर्ट सौंपने को कहा है।

अधिकारियों ने बताया कि बर्द्धमान जिले में रविवार और सोमवार को तृणमूल और भाजपा के समर्थकों में झड़प में चार लोगों की मौत हो गई। वहीं, तृणमूल ने दावा किया कि मारे गए लोगों में तीन पार्टी के समर्थक थे।आयोग ने कहा ऐसा लगता है कि जिला प्रशासन और कानून लागू करने वाली स्थानीय एजेंसियों ने प्रभावित लोगों के मानवाधिकारों के उल्लंघन को रोकने के लिए कार्रवाई नहीं की। एनएचआरसी ने एक टीम बनाकर जल्द से जल्द या दो सप्ताह के भीतर एक रिपोर्ट सौंपने का अनुरोध किया है।

पश्चिम बंगाल के सोनारपुर में मंगलवार को हिंसा पीड़ितों से मिलते जेपी नड्डा। ● प्रेट्र

सैंकड़ों भाजपा कार्यकर्ता डरकर असम भागे : सरमा

असम के स्वास्थ्य एवं वित्त मंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने मंगलवार को दावा किया कि पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव बाद हुई हिंसा के बीच वहां से करीब 300 से लेकर 400 भाजपा कार्यकर्ता एवं उनके परिवार के सदस्य भागकर पड़ोसी राज्य आ गए हैं। उन्होंने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से लोकतंत्र को बदरूप होने से बचाने की अपील भी की।

महिला आयोग ने तत्काल कार्रवाई की मांग की

राष्ट्रीय महिला आयोग ने मंगलवार को नंदीग्राम में कुछ महिलाओं की कथित तौर पर पिटाई की घटना पर चिंता जताई। राज्य पुलिस से मामले में तत्काल कार्रवाई करते हुए दोषियों को गिरफ्तार करने की मांग की। आयोग की अध्यक्ष रेखा शर्मा के नेतृत्व में एक टीम जल्द ही बंगाल का दौरा कर मामले की जांच करेगी। महिला आयोग ने कहा, ट्विटर पर किए गए कई पोस्ट से यह पता चलता है कि नंदीग्राम में चुनाव के बाद कुछ गुंडों ने महिलाओं की पिटाई की। आयोग इस घटना को लेकर चिंतित है।

TIMES OF INDIA, Delhi, 5.5.2021
Page No. 10, Size:(7.82)cms X (3.60)cms.

NHRC orders probe into attacks

The National Human Rights Commission (NHRC), taking suo-motu cognisance of reports in **TOI** regarding post-poll violence in West Bengal, has directed a team of its officers to conduct an on-the-spot, fact-finding investigation into the matter.

NHRC said it considered the post-poll violent attacks in West Bengal as "a fit case of alleged violation of Right to Life of the innocent citizens". It referred to media reports published in various newspapers, including The Times of India, on Tuesday, regarding the death of some people in the violence on May 3. TNN

NHRC takes cognizance post-poll violence in Bengal, orders

https://www.aninews.in/news/national/general-news/nhrc-takes-cognizance-post-poll-violence-in-bengal-orders-spot-inquiry20210505031156

The National Human Rights Commission (NHRC) on Tuesday took cognisance of the alleged post-poll violence in West Bengal and ordered an investigation fact-finding team to conduct a spot inquiry and submit a report at the earliest, preferably within two weeks. In a statement, the NHRC pointed out allegations of deaths of a few people in the violent incidents. "The political workers allegedly clashed with each other, party offices were torched down and some homes were ransacked & valuables also looted. District Administration & local Law & order enforcement agencies appear not to have acted to stop such violation of human rights of the affected persons," the commission said.

It further said, "Considering as a fit case of alleged violation of Right to Life of the innocent citizens, the Commission has today taken suo-motu cognizance of the matter and has requested its DIG (Investigation) to constitute a team of the officers of the Investigation Division of the Commission to conduct an on the spot fact finding investigation and to submit a report at the earliest, preferably within two weeks." A day after the Trinamool Congress emerged victorious in the West Bengal Assembly elections, the Bharatiya Janata Party (BJP) office in Asansol was allegedly vandalised by the Trinamool Congress (TMC) workers. The Akhil Bharatiya Vidyarthi Parishad (ABVP) alleged that 15-20 party goons of Chief Minister Mamata Banerjee attacked ABVP West Bengal's Kolkata office and engaged in an altercation with the activists, assaulted them and vandalised the organization's state office. They further alleged that TMC party goons deliberately vandalised the idols of Hindu deities and freedom fighters. (ANI)

Live News Updates: NHRC takes cognizance of post-poll violence in Bengal, orders spot inquiry

https://economictimes.indiatimes.com/news/newsblogs/latest-daily-news-and-updates-may-5/liveblog/82397290.cms

The National Human Rights Commission (NHRC) took cognisance of the alleged post-poll violence in West Bengal and ordered an investigation fact-finding team to conduct a spot inquiry and submit a report at the earliest, preferably within two weeks. In a statement, the NHRC pointed out allegations of deaths of a few people in the violent incidents.

राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने बंगाल में चुनाव के बाद हिंसा की जांच का आदेश दिया

https://navbharattimes.indiatimes.com/metro/delhi/other-news/national-human-rights-commission-ordered-inquiry-into-post-election-violence-in-bengal/articleshow/82391792.cms

राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने पश्चिम बंगाल के कई जिलों में चुनाव के बाद हिंसा के मामले सामने आने के बाद जांच का आदेश दिया है।
पश्चिम बंगाल में सोमवार को हिंसा में भाजपा के कुछ कार्यकर्ता मारे गए और कई घायल हो गए तथा दुकानों में लूटपाट की गयी। केंद्र ने राज्य में विपक्षी कार्यकर्ताओं पर हमले की घटनाओं को लेकर सरकार से तथ्यात्मक रिपोर्ट सौंपने को कहा है। अधिकारियों ने बताया कि बर्द्धमान जिले में रविवार और सोमवार को तृणमूल कांग्रेस और भाजपा के समर्थकों में कथित झड़प में चार लोगों की मौत हो गयी। वहीं, तृणमूल कांग्रेस ने दावा किया कि मारे गए लोगों में तीन पार्टी के समर्थक थे।

एनएचआरसी ने कहा कि पश्चिम बंगाल में चुनाव के बाद सोमवार को हुई हिंसा में कुछ लोगों की मौत के बारे में अखबारों में प्रकाशित खबरों का उसने संज्ञान लिया है।

आयोग ने कहा कि राजनीतिक कार्यकर्ताओं के बीच कथित तौर पर झड़पें हुई, पार्टी के कार्यालयों में आगजनी की गयी और कई मकानों में तोड़फोड़ के साथ ही लूटपाट की गई।

आयोग ने कहा कि ऐसा लगता है कि जिला प्रशासन और कानून लागू करने वाली स्थानीय एजेंसियों ने प्रभावित लोगों के मानवाधिकारों के उल्लंघन को रोकने के लिए कार्रवाई नहीं की।

एनएचआरसी ने एक बयान में कहा, "बेकसूर नागरिकों के जीवन के अधिकार के कथित उल्लंघन की घटनाओं का आयोग ने स्वत: संज्ञान लिया है। डीआईजी (जांच) से आयोग के जांच अनुभाग के अधिकारियों की एक टीम बनाकर घटनास्थल पर तथ्यान्वेषी जांच कराकर जल्द से जल्द या दो सप्ताह के भीतर एक रिपोर्ट सौंपने का अनुरोध किया है।"

बंगाल में चुनाव के बाद हिंसा: अब तक 11 की मौत; मोदी ने राज्यपाल से बात की, SC में दायर याचिका में केंद्रीय ...

https://www.bhaskar.com/national/news/pm-modi-expresses-concern-over-violence-murder-and-arson-calls-governor-dhankad-and-takes-law-and-order-situation-128464378.html

पश्चिम बंगाल में 2 मई को चुनाव परिणाम आने के बाद हिंसा का दौर एक बार फिर शुरू हो गया है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की पार्टी TMC को मिली भारी जीत के बाद अब भाजपा और सत्ताधारी दल के कार्यकर्ताओं के बीच हिंसक झड़पें हो रही हैं। अब तक 6 जिलों से हिंसा की खबरें आई हैं और दो दिन में करीब 11 लोगों के मारे जाने की खबर है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राज्यपाल जगदीप धनखड़ को फोन किया और बंगाल में आगजनी और हत्याओं पर चिंता जाहिर की है।

दूसरी तरफ, इस बीच, सुप्रीम कोर्ट में मंगलवार को एक याचिका दायर की गई। इसमें मांग की गई है कि सुप्रीम कोर्ट केंद्र सरकार को बंगाल में राजनीतिक हिंसा रोकने के लिए केंद्रीय सुरक्षाबल तैनात करने का आदेश दे, ताकि राज्य में कानून-व्यवस्था बहाल की जा सके। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने भी हिंसा वाली जगहों पर स्पॉट इंक्वायरी का आदेश दिया है।

नड्डा बोले- आजाद भारत में इतनी असहिष्णुता नहीं देखी
इस बीच BJP के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा मंगलवार को कोलकाता पहुंचे। वे दो दिन पश्चिम बंगाल में रहकर हिंसा वाले इलाकों का जायजा लेंगे। कोलकाता पहुंचने के बाद नड्डा ने कहा कि पश्चिम बंगाल के चुनाव के नतीजों के बाद जो घटनाएं देखने और सुनने को मिली हैं वो हैरान करती हैं, चिंता में डालती हैं। ऐसी घटनाएं भारत के विभाजन के समय मैंने सुनी थीं, लेकिन आजाद भारत में चुनाव के नतीजों के बाद इतनी असहिष्णुता हमने आज तक नहीं देखी।

उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं पर जो हमले हो रहे हैं, उसे खुद जाकर देखने और इस मुश्किल वक्त में उनके साथ खड़े होकर लोकतांत्रिक तरीके से लड़ाई लड़ने के लिए BJP कृतसंकल्प है। कार्यकर्ताओं की शहादत बेकार नहीं जाएगी। हम उनकी विचारधारा की लड़ाई निर्णायक मोड़ तक पहुंचाएंगे। एयरपोर्ट से नड्डा गोपालनगर में हिंसा का शिकार हुए भाजपा कार्यकर्ताओं के घर गए। उनके साथ प्रदेश अध्यक्ष दिलीप घोष और पार्टी नेता लॉकेट चटर्जी भी मौजूद रहीं।

BJP के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और प्रदेश अध्यक्ष दिलीप घोष ने हमलों के शिकार हुए कार्यकर्ताओं से मुलाकात की।

राष्ट्रीय महिला आयोग ने नंदीग्राम में महिलाओं के खिलाफ हिंसा को लेकर खुद संज्ञान लिया है। आयोग की अध्यक्ष रेखा शर्मा ने राज्य के DGP को पत्र लिखकर आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। आयोग की टीम भी जल्द ही मामले की जांच के लिए राज्य का दौरा करेगी।

सुप्रीम कोर्ट पहुंची भाजपा, CBI जांच की मांग की
बंगाल में हिंसा और आगजनी के बीच भाजपा प्रवक्ता गौरव भाटिया ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका लगाई है। भाटिया ने याचिका में बंगाल में रेप, मर्डर, हिंसा की घटनाओं की CBI जांच की मांग की है। साथ ही घटनाओं पर हुई कार्रवाई के बारे में स्टेटस रिपोर्ट तलब करने की भी मांग की गई है।

ममता बोलीं- केंद्रीय बलों ने हमारे वर्कर्स पर अत्याचार किए
प्रचंड जीत हासिल करने के बाद ममता ने हिंसा की खबरों के बीच सभी से शांति बनाए रखने की अपील की। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्रीय बलों ने चुनावों के दौरान टीएमसी समर्थकों पर काफी अत्याचार किए। उन्होंने कहा कि परिणाम घोषित होने के बाद भी बीजेपी ने कुछ इलाकों में हमारे समर्थकों पर हमला किया, लेकिन हमने अपने लोगों से किसी के उकसावे में नहीं आने की अपील की।

रिटर्निंग ऑफिसर को सुरक्षा
पश्चिम बंगाल सरकार ने चुनाव आयोग को बताया है कि उसने नंदीग्राम के रिटर्निंग ऑफिसर को सुरक्षा मुहैया कराई है। इस विधानसभा क्षेत्र में ममता बनर्जी और भाजपा के सुवेंदू अधिकारी के बीच मुकाबला था। ममता यहां चुनाव हार गईं। उन्होंने नतीजे के खिलाफ कोर्ट जाने का ऐलान किया है। वहीं, AIMIM के चीफ असदुद्दीन ओवैसी ने कहा कि सरकार लोगों की जिंदगियों की सुरक्षा नहीं कर सकी। हम इस नाकामी की निंदा करते हैं।

भाजपा ने TMC पर लगाया हिंसा का आरोप
भाजपा ने बंगाल में जारी हिंसा के लिए TMC को जिम्मेदार ठहराया है। भाजपा प्रवक्ता संबित पात्रा ने आरोप लगाया कि TMC के गुंडों को हिंसा और उत्पात के लिए ममता की मौन सहमति मिली हुई है। उनके कई नेता खुलेआम हिंसा के लिए अपने लोगों को भड़का रहे हैं। पात्रा ने कहा कि ये संयोग नहीं, प्रयोग है, प्रायोजित है। ममता जी ने चुनाव से पहले भाषण देते हुए कहा था कि चुनाव समाप्त होने के बाद CRPF तो वापस चली जाएगी, उसके बाद का समय TMC का होगा, हम भी देखेंगे। आज पूरा हिंदुस्तान और विश्व देख रहा है कि बंगाल में क्या हो रहा है।

भाजपा के 9 कार्यकर्ताओं की हत्या

भाजपा का आरोप है कि 2 मई को मतगणना के दिन नंदीग्राम, कोलकाता, आसनसोल, हुगली समेत कई इलाकों में उनके समर्थकों, कार्यकर्ताओं की दुकानें लूट ली गई हैं। TMC के लोगों के द्वारा भाजपा कार्यकर्ताओं के घरों में आग लगाई गई है। हमारे 9 कार्यकर्ताओं की हत्या हुई है। इतना ही नहीं, महिलाओं को घरों से निकालकर रेप भी किया गया है।

वहीं, TMC ने भी भाजपा कार्यकर्ताओंं पर इसी तरह के आरोप लगाते हुए बताया कि कई इलाकों में उनके कार्यकर्ताओं को भी निशाना बनाया गया है और उनके दफ्तरों में तोड़फोड़, आगजनी की गई है। पार्टी नेता राहुल सिन्हा ने राज्यपाल और चुनाव आयोग से मांग की है कि जब तक हिंसा नहीं रुकती है, तब तक मुख्यमंत्री के शपथ ग्रहण समारोह पर रोक लगाई जाए।

2 मई से जारी हिंसा में अब तक 11 की मौत

रविवार शाम से सोमवार रात तक विभिन्न हिस्सों में हिंसा की घटनाएं घटी हैं। इन घटनाओं में 11 लोगों के मारे जाने की खबर है। भाजपा का आरोप है कि इनमें 9 उसके कार्यकर्ता हैं। जबकि बर्द्धमान में एक TMC और उत्तर 24 परगना में एक ISF के कार्यकर्ता की जान चली गई है। इन घटनाओं में आरोप तृणमूल कांग्रेस पर लगा है।

गृह मंत्रालय ने मांगी रिपोर्ट

हिंसा की घटनाओं पर केंद्रीय गृह मंत्रालय ने बंगाल सरकार से रिपोर्ट मांगी है। हिंसा-आगजनी पर राज्यपाल ने भी डीजीपी को समन किया है तथा गृह सचिव से रिपोर्ट मांगी है। वहीं, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप घोष ने रविवार शाम को चुनाव बाद हिंसा को लेकर राज्यपाल को ज्ञापन सौंपा है। भाजपा ने अपने कार्यकर्ताओं की सहायता के लिए सभी संभागों में हेल्पलाइन नंबर जारी की है। BJP नेता कैलाश विजयवर्गीय ने कहा- भाजपा कार्यकर्ताओं पर हमले ममता बनर्जी की शह पर हो रहे हैं।

NHRC takes cognizance post-poll violence in Bengal, orders

https://www.business-standard.com/article/current-affairs/nhrc-takes-cognizance-post-poll-violence-in-bengal-orders-spot-inquiry-121050500062_1.html

The National Human Rights Commission (NHRC) on Tuesday took cognisance of the alleged post-poll violence in West Bengal and ordered an investigation fact-finding team to conduct a spot inquiry and submit a report at the earliest, preferably within two weeks.

In a statement, the NHRC pointed out allegations of deaths of a few people in the violent incidents.

"The political workers allegedly clashed with each other, party offices were torched down and some homes were ransacked & valuables also looted. District Administration & local Law & order enforcement agencies appear not to have acted to stop such violation of human rights of the affected persons," the commission said.

It further said, "Considering as a fit case of alleged violation of Right to Life of the innocent citizens, the Commission has today taken suo-motu cognizance of the matter and has requested its DIG (Investigation) to constitute a team of the officers of the Investigation Division of the Commission to conduct an on the spot fact finding investigation and to submit a report at the earliest, preferably within two weeks."

A day after the Trinamool Congress emerged victorious in the West Bengal Assembly elections, the Bharatiya Janata Party (BJP) office in Asansol was allegedly vandalised by the Trinamool Congress (TMC) workers.

The Akhil Bharatiya Vidyarthi Parishad (ABVP) alleged that 15-20 party goons of Chief Minister Mamata Banerjee attacked ABVP West Bengal's Kolkata office and engaged in an altercation with the activists, assaulted them and vandalised the organization's state office.

They further alleged that TMC party goons deliberately vandalised the idols of Hindu deities and freedom fighters.

राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने बंगाल में चुनाव के बाद हिंसा की जांच का आदेश दिया

https://www.indiatv.in/west-bengal/nhrc-orders-spot-inquiry-after-reports-of-post-poll-violence-in-wb-788590

राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने पश्चिम बंगाल के कई जिलों में चुनाव के बाद हिंसा के मामले सामने आने के बाद जांच का आदेश दिया है। पश्चिम बंगाल में सोमवार को हिंसा में भाजपा के कुछ कार्यकर्ता मारे गए और कई घायल हो गए तथा दुकानों में लूटपाट की गयी। केंद्र ने राज्य में विपक्षी कार्यकर्ताओं पर हमले की घटनाओं को लेकर सरकार से तथ्यात्मक रिपोर्ट सौंपने को कहा है। अधिकारियों ने बताया कि बर्द्धमान जिले में रविवार और सोमवार को तृणमूल कांग्रेस और भाजपा के समर्थकों में कथित झड़प में चार लोगों की मौत हो गयी।

वहीं, तृणमूल कांग्रेस ने दावा किया कि मारे गए लोगों में तीन पार्टी के समर्थक थे। एनएचआरसी ने कहा कि पश्चिम बंगाल में चुनाव के बाद सोमवार को हुई हिंसा में कुछ लोगों की मौत के बारे में अखबारों में प्रकाशित खबरों का उसने संज्ञान लिया है। आयोग ने कहा कि राजनीतिक कार्यकर्ताओं के बीच कथित तौर पर झड़पें हुई, पार्टी के कार्यालयों में आगजनी की गयी और कई मकानों में तोड़फोड़ के साथ ही लूटपाट की गई।

आयोग ने कहा कि ऐसा लगता है कि जिला प्रशासन और कानून लागू करने वाली स्थानीय एजेंसियों ने प्रभावित लोगों के मानवाधिकारों के उल्लंघन को रोकने के लिए कार्रवाई नहीं की। एनएचआरसी ने एक बयान में कहा, "बेकसूर नागरिकों के जीवन के अधिकार के कथित उल्लंघन की घटनाओं का आयोग ने स्वत: संज्ञान लिया है। डीआईजी (जांच) से आयोग के जांच अनुभाग के अधिकारियों की एक टीम बनाकर घटनास्थल पर तथ्यान्वेषी जांच कराकर जल्द से जल्द या दो सप्ताह के भीतर एक रिपोर्ट सौंपने का अनुरोध किया है।"

इस बीच जान बचाने के लिए करीब 300-400 भाजपा समर्थक बंगाल छोड़कर असम चले गए हैं। यह भाजपा कार्यकर्ता संरक्षण के लिए असम के धुबरी को पार कर गए हैं। गौरतलब है कि बंगाल में खून खराबा जारी है। भाजपा ने दावा किया है कि पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के नतीजे आने के बाद राज्य में उसके नौ से अधिक कार्यकर्ताओं की हत्या कर दी गई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हिंसा पर चिंता जताते हुए राज्यपाल जगदीप धनखड़ से बात की है, वहीं भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष दो दिवसीय बंगाल दौरे पर हैं।

पश्चिम बंगाल में हुई हिंसा का मानवाधिकार आयोग ने लिया संज्ञान, जांच के दिए आदेश

https://www.livehindustan.com/west-bengal/story-nhrc-takes-cognizance-of-alleged-post-poll-violence-in-west-bengal-and-orders-investigation-4012483.html

पश्चिम बंगाल में चुनावी नतीजों के बाद हुईं हिंसक घटनाओं का राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (NHRC) ने संज्ञान लिया है। आयोग ने जांच का निर्देश देते हुए दो हफ्तों में रिपोर्ट मांगी है। मालूम हो कि दो मई को आए पांचों विधानसभा चुनाव के नतीजों के बाद बंगाल में कई जगह लूटपाट, हिंसा, हत्याओं के मामले सामने आए थे। बीजेपी ने इसका आरोप टीएमसी पर लगाया है। राष्ट्रीय महिला आयोग ने भी बंगाल के नंदीग्राम में कुछ महिलाओं की कथित तौर पर पिटाई की घटना पर चिंता जताते हुए राज्य पुलिस से कहा था कि इस मामले में तत्काल कार्रवाई करते हुए दोषियों को गिरफ्तार किया जाए और समयबद्ध तरीके से जांच की जाए।

हिंसा की घटनाओं पर संज्ञान लेते हुए एनएचआरसी ने कहा कि उसे हिन्दुस्तान टाइम्स समेत विभिन्न अखबारों में प्रकाशित हुईं कई मीडिया रिपोर्ट्स से चुनावी नतीजों के बाद तीन मई को बंगाल में हुईं कई लोगों की मौतों के बारे में पता चला है। राजनीतिक पार्टियों के कार्यकर्ताओं की एक-दूसरे के साथ भिड़ंत हुई, जिसमें पार्टी दफ्तरों पर हमला किया गया, जबकि कुछ घरों में भी तोड़फोड़ की गई। कई महत्वपूर्ण सामान को भी लूट लिया गया। जिला प्रशासन और स्थानीय कानून और व्यवस्था प्रवर्तन एजेंसियों ने प्रभावित व्यक्तियों के मानवाधिकारों के इस तरह के उल्लंघन को रोकने के लिए कार्रवाई नहीं की है।

बयान में आगे कहा गया कि निर्दोष नागरिकों के जीवन के कथित उल्लंघन का मामला मानते हुए, आयोग ने आज मामले का संज्ञान लिया है और डीआईजी से जांच विभाग के अधिकारियों की एक टीम गठित करने का अनुरोध किया है। मौके पर तथ्य जांच करने के लिए और जल्द से जल्द एक रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए भी आयोग ने कहा है, जिसके लिए दो सप्ताह का समय दिया गया है।

टीएमसी के गुंडों ने किया हमला: बीजेपी

हिंसा के कई मामले सामने आने के बाद बीजेपी ने आरोप लगाया है कि तृणमूल समर्थित गुंडों ने उनके कई कार्यकर्ताओं की हत्या की, उनके महिला सदस्यों पर हमला किया, घरों में तोड़फोड़ की, पार्टी सदस्यों की दुकानें फूंक दी एवं पार्टी कार्यालयों में उत्पात मचाया। हालांकि, तृणमूल कांग्रेस ने इन आरोपों से इनकार किया है। राज्यपाल जगदीप धनखड़ ने कहा कि कई जिलों में चुनाव बाद हिंसा होने की खबरें मिलने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उन्हें फोन करके राज्य की कानून व्यवस्था की स्थिति पर क्षोभ प्रकट किया। मुख्यमंत्री और तृणमूल सुप्रीमो ममता

बनर्जी ने रविवार को लोगों से संयम बरतने एवं किसी भी प्रकार की हिंसा में शामिल नहीं होने का आह्वान किया था।

हिंसा के मुद्दे पर मुख्यमंत्री बनर्जी ने की बैठक

मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने राज्य में चुनाव के बाद हुई हिंसा के मुद्दे पर मंगलवार को शीर्ष प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारियों के साथ बैठक की है। एक अधिकारी ने बताया कि बनर्जी के कालीघाट निवास पर यह बैठक हुई, जिसमें मुख्यमंत्री ने स्थिति का जायजा लिया। बैठक में मुख्य सचिव अलपन बंदोपाध्याय, गृह सचिव एच के द्विवेदी, पुलिस महानिदेशक पी नीरजनयन, कोलकाता के पुलिस आयुक्त सोमेन मित्रा मौजूद थे। पुलिस ने बताया कि राज्य के विभिन्न हिस्सों में चुनाव बाद हिंसा में कम से कम छह लोगों की मौत हुई है, जिनमें से एक व्यक्ति की जान कोलकाता में गई।

Rights Body Orders Inquiry After Reports Of Post-Poll Violence ...

https://www.ndtv.com/india-news/national-human-rights-commission-orders-spot-inquiry-after-reports-of-post-poll-violence-in-west-bengal-2428026

The National Human Rights Commission (NHRC) ordered a spot inquiry following reports of post-poll violence from several districts in West Bengal.

The state was in the throes of widespread violence on Monday that allegedly left several BJP workers dead and injured in clashes, and shops being looted, prompting the centre to seek a factual report from the government on incidents of attack on opposition workers.

Officials said four people were also killed in alleged clashes between Trinamool and BJP supporters in Burdwan district on Sunday and Monday.

The Trinamool claimed three of them were its supporters.

The NHRC said it has come across several media reports published in newspapers on Tuesday regarding the death of some people in the alleged post-poll violence in West Bengal on Monday.

Political workers allegedly clashed with each other, party offices were torched down and some homes were ransacked and valuables also looted, the body said.

District administration and local law and order enforcement agencies appear not to have acted to stop such violation of human rights of the affected persons, it noted.

"Considering as a fit case of alleged violation of Right to Life of the innocent citizens, the commission has today taken suo-motu cognizance of the matter and has requested its DIG (Investigation) to constitute a team of officers of the Investigation Division of the commission to conduct an on-the-spot fact-finding investigation and to submit a report at the earliest, preferably within two weeks," it said in a statement.

राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने बंगाल में चुनाव के बाद हिंसा की जांच का आदेश दिया

https://navbharattimes.indiatimes.com/metro/delhi/other-news/national-human-rights-commission-ordered-inquiry-into-post-election-violence-in-bengal/articleshow/82391792.cms

राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने पश्चिम बंगाल के कई जिलों में चुनाव के बाद हिंसा के मामले सामने आने के बाद जांच का आदेश दिया है।
पश्चिम बंगाल में सोमवार को हिंसा में भाजपा के कुछ कार्यकर्ता मारे गए और कई घायल हो गए तथा दुकानों में लूटपाट की गयी। केंद्र ने राज्य में विपक्षी कार्यकर्ताओं पर हमले की घटनाओं को लेकर सरकार से तथ्यात्मक रिपोर्ट सौंपने को कहा है। अधिकारियों ने बताया कि बर्द्धमान जिले में रविवार और सोमवार को तृणमूल कांग्रेस और भाजपा के समर्थकों में कथित झड़प में चार लोगों की मौत हो गयी। वहीं, तृणमूल कांग्रेस ने दावा किया कि मारे गए लोगों में तीन पार्टी के समर्थक थे।

एनएचआरसी ने कहा कि पश्चिम बंगाल में चुनाव के बाद सोमवार को हुई हिंसा में कुछ लोगों की मौत के बारे में अखबारों में प्रकाशित खबरों का उसने संज्ञान लिया है।

आयोग ने कहा कि राजनीतिक कार्यकर्ताओं के बीच कथित तौर पर झड़पें हुई, पार्टी के कार्यालयों में आगजनी की गयी और कई मकानों में तोड़फोड़ के साथ ही लूटपाट की गई।

आयोग ने कहा कि ऐसा लगता है कि जिला प्रशासन और कानून लागू करने वाली स्थानीय एजेंसियों ने प्रभावित लोगों के मानवाधिकारों के उल्लंघन को रोकने के लिए कार्रवाई नहीं की।

एनएचआरसी ने एक बयान में कहा, "बेकसूर नागरिकों के जीवन के अधिकार के कथित उल्लंघन की घटनाओं का आयोग ने स्वत: संज्ञान लिया है। डीआईजी (जांच) से आयोग के जांच अनुभाग के अधिकारियों की एक टीम बनाकर घटनास्थल पर तथ्यान्वेषी जांच कराकर जल्द से जल्द या दो सप्ताह के भीतर एक रिपोर्ट सौंपने का अनुरोध किया है।"

NHRC notice to Odisha Health Secretary over 'Covid mismanagement'

https://www.newindianexpress.com/states/odisha/2021/may/04/nhrc-notice-to-odisha-health-secretary-over-covid-mismanagement-2298211.html

The National Human Rights Commission has issued conditional summons to the Principal Secretary of the Odisha Health and Family Welfare department citing Covid care mismanagement and lackadaisical attitude in submitting requisite reports. The Principal Secretary has been asked to appear before the apex rights body on June 30 if the Action Taken Report in this connection is not submitted by June 23.

The NHRC order came in response to a petition filed by human rights activist and Supreme Court lawyer Radhakant Tripathy. Earlier, the Commission had sought Action Taken Report (ATR) from the Odisha government on the death of two patients, in two separate incidents, due to alleged medical negligence at the Dhenkanal district headquarters hospital last year.

In his petition, Tripathy has alleged that the Covid facilities have collapsed during the pandemic and urged the NHRC to direct health staff to be sensitive to patients and save lives. Despite enough time given to State government for submission of the ATR, nothing has been done so far which reflects its negligence and is a violation of the Human Rights Act, Tripathy said.

Covid-19 crisis in Delhi calls for immediate decongestion of jails, plea tells HC judge-led panel

https://scroll.in/latest/994065/covid-19-crisis-in-delhi-calls-for-immediate-decongestion-of-jails-plea-tells-hc-judge-led-panel

An appeal has been sent to a High Court judge-led committee for the immediate decongestion of all prisons in Delhi and therefore release of prisoners through interim bail or parole to protect their right to life and health.

The representation was made to Delhi High Court Justice Vipin Sanghi. The panel was formed in 2020 under the Supreme Court's orders for unclogging the jails to curb the spread of Covid-19.

The representation relies upon advisories of the National Human Rights Commission of India, it said. Advocates Vrinda Grover and Soutik Banerjee, Professor Pratiksha Baxi and public health activist Sarojini N wrote the appeal.

In February, after the Covid-19 situation in Delhi had improved, the High Powered Committee had said there was no reason for recommending an extension of interim bail of undertrials, who were released during the pandemic to ease the pressure on the prisons.

"The present surge in Covid-19 cases across India and particularly in Delhi calls for urgent and decisive intervention of the HPC to ensure that prison inmates in Tihar, Mandoli and Rohini jails are not left helpless and reeling against the deadly strains of the virus," the statement said. "Medical and expert opinions and instances suggest that the present wave of Covid-19 in India is even more virulent and fatal."

The appeal also noted reports on several deaths due to Covid-19 in Tihar. More than 250 prisoners had contracted the infection, and prison officials have sought a release of those inmates, it added.

The representation also cited data on congestion and overcrowding in Delhi's prisons and highlighted a report that said there were over 20,000 prisoners in the Capital's jails.

"As per information available on the prison department's website, updated on 20.02.2021, there are a total of 17,285 prisoners in Delhi against a sanctioned capacity of 10,026 inmates," the appeal said. "The need for adequate social distancing in prisons would necessitate at least a reduction in the occupancy to 50% of the sanctioned capacity – which would place the number of inmates that can be held by following distancing norms at around 5,000, as opposed to the present strength of 20,000 prisoners."

On May 13, 2020, the World Health Organization and other international bodies had released a statement bringing attention to the heightened vulnerability of prisoners amid the Covid-19 crisis.

“We urge political leaders to consider limiting the deprivation of liberty, including pretrial detention, to a measure of last resort, particularly in the case of overcrowding, and to enhance efforts to resort to non-custodial measures,” the statement read.

The appeal noted the National Human Rights Commission’s advisories related to prisoners amid the Covid-19 crisis.

“The Covid-19 pandemic has also amplified the crisis of the prison system and poses specific challenges to women in prisons,” the appeal said. “Women do not have equal access to gender sensitive health systems, nor do they have access to adequate nutrition and protection from abuse within the prison leading to heightened possibilities of sexual violence.”

The appeal also took note of the advisories of the Joint United Nations Programme on HIV/AIDS, and highlighted that non-discrimination was a mandate of the Disaster Management Act, 2005, which is in effect in the country.

On Monday, the Allahabad High Court ordered the release of a section of convicts, undertrials and those in jail for failing to pay fines in order to unclog prisons in Uttar Pradesh amid the surge of coronavirus cases. Judicial officers have been directed to release them on a parole or on final bail. The court also extended the relief period of prisoners who are already on parole by another 60 days.

Man dies by suicide in police station, 2 cops placed under suspension

https://www.outlookindia.com/newsscroll/man-dies-by-suicide-in-police-station-2-cops-placed-under-suspension/2076876

A 31-year-old man allegedly died by suicide at Golanthara police station in Ganjam district following which two policemen were placed under suspension and one was transferred, an officer said on Tuesday.

The deceased has been identified as Ganesh Dakua of Rangipur village. He was picked up by police on the charge of creating disturbance in the village and made to sit in the reception room of the police station where Dakua allegedly tried to commit suicide by using a belt on Monday evening, the officer said.

Though he was immediately shifted to the MKCG Medical College and Hospital for treatment, Dakua was declared dead, police said, adding that after post-mortem in the medical college, the body was handed over to his family members early in the morning, Berhampur SP Pinak Mishra said.

The SP said prima-facie it appears to be a case of suicide. As the incident took place in the police station premises, "we have been following all the NHRC norms in the investigation," he said.

DIG of Police, Southern Range Satyabrat Bhoi, said assistant-sub-inspector of police, PC Achary and sentry DP Jena have been placed under suspension for negligence in duties for which the incident took place.

The Inspector-in-charge, Golanthara police station Babuli Nayak has been shifted and attached to the district police office for free and fair enquiry of the incident, he said.

The action was initiated against the police personnel on the basis of the report by Additional Superintendent of Police, Berhampur, Prabhat Kumar Routray, who conducted an preliminary inquiry into the matter, sources said. PTI COR AAM RG RG

NHRC orders investigation into post-poll violence in West Bengal

https://timesofindia.indiatimes.com/india/nhrc-orders-investigation-into-post-poll-violence-in-west-bengal/articleshow/82392036.cms

The national human rights commission (NHRC), taking suomotu cognisance of reports in The Times of India regarding post-poll violence in West Bengal, has directed a team of its officers to conduct an on-the-spot, fact-finding investigation into the matter and submit a report to it preferably within two weeks. The NHRC action comes even as the home ministry is yet to receive a report from the West Bengal government on the post-poll attacks on political workers belonging to the opposition camp in the state. The ministry had asked the chief secretary on Monday to submit the report "at the earliest".

NHRC, in a statement issued on Tuesday, said it considered the post-poll violent attacks in West Bengal as "a fit case of alleged violation of Right to Life of the innocent citizens". It referred to media reports published in various newspapers including the Times of India on Tuesday, regarding the death of some persons in the violence on May 3.

"The political workers allegedly clashed with each other, party offices were torched down and some homes were ransacked and valuables also looted. District administration and local law and order enforcement agencies appear not to have acted to stop such violation of human rights of the affected persons," it recalled. The commission added that it has now taken suo-motu cognizance of the matter and requested its DIG (Investigation) to constitute a team of the officers of the investigation division of the commission to conduct an on the spot fact finding investigation and to submit a report at the earliest, preferably within two weeks.

Man dies by suicide in police station, 2 cops placed under ...

https://timesofindia.indiatimes.com/city/bhubaneswar/man-dies-by-suicide-in-police-station-2-cops-placed-under-suspension/articleshow/82392132.cms

A 31-year-old man allegedly died by suicide at Golanthara police station in Ganjam district following which two policemen were placed under suspension and one was transferred, an officer said on Tuesday. The deceased has been identified as Ganesh Dakua of Rangipur village. He was picked up by police on the charge of creating disturbance in the village and made to sit in the reception room of the police station where Dakua allegedly tried to commit suicide by using a belt on Monday evening, the officer said. Though he was immediately shifted to the MKCG Medical College and Hospital for treatment, Dakua was declared dead, police said, adding that after post-mortem in the medical college, the body was handed over to his family members early in the morning, Berhampur SP Pinak Mishra said.

The SP said prima-facie it appears to be a case of suicide. As the incident took place in the police station premises, "we have been following all the NHRC norms in the investigation," he said. DIG of Police, Southern Range Satyabrat Bhoi, said assistant-sub-inspector of police, PC Achary and sentry DP Jena have been placed under suspension for negligence in duties for which the incident took place. The Inspector-in-charge, Golanthara police station Babuli Nayak has been shifted and attached to the district police office for free and fair enquiry of the incident, he said. The action was initiated against the police personnel on the basis of the report by Additional Superintendent of Police, Berhampur, Prabhat Kumar Routray, who conducted an preliminary inquiry into the matter, sources said.

Modi speaks to West Bengal Governor on post-poll violence

https://www.asianage.com/india/politics/050521/modi-speaks-to-west-bengal-governor-on-post-poll-violence.html

As the death toll in post-poll violence in West Bengal rose to 14 on Tuesday from six a day before, Prime Minister Narendra Modi dialled governor Jagdeep Dhankhar and expressed “serious anguish and concern” over the “worrisome” law and order situation in the state. The 14 killed include nine BJP cadres in West Bengal, and four from TMC.

Mamata Banerjee-led TMC, which retained power in the state for the third time, has come under severe criticism from the BJP, with Left and the Congress leaders also condemning the post-poll violence against their cadre.

Hours after the PM’s conversation with the governor, BJP chief J.P. Nadda reached West Bengal on a two-day-visit and met the victims' families.

Taking suo motu cognizance of media reports on alleged post-poll violence, the National Human Rights Commission (NHRC) has sent a fact-finding team while noting that it considers the incidents “as a fit case of alleged violation of Right to Life of innocent citizens.” The National Commission for Women too constituted a fact-finding team to investigate alleged violence against women in various parts of the state. The BJP claimed that the violence is “state sponsored” and compared the TMC with "Nazis".

Among Tuesday's victims, three -- Mintu Barman of Shitalkuchi and Haradhan Roy and Chandan Roy of Dinhata -- were from the BJP which lost six cadres on Monday. The 14 deceased also include five from Burdwan East. Of them, four were from the ruling TMC. While two of them -- Shahjahan Shah and Bibhas Bag — were killed Nabagram in Jamalpur, another, Ganesh Mullick, was beaten to death at Samaspur in Raina with an aged TMC panchayat member Srinibas Ghosh at Ketugram in three separate attacks by the BJP.

At Nabagram in Jamalpur, a female CPI(M) worker, Kakali Khetrapal, was hacked to death by a group of TMC workers during an attack on her home. Apart from the killings, several BJP offices and many party workers' houses were vandalised across the state.

On Mr Modi's worries, Mr Dhankhar tweeted, “PM called and expressed serious anguish and concern at the alarmingly worrisome law and order situation @MamataOfficial. I share grave concerns @PMOIndia given that violence vandalism, arson, loot and killings continue unabated. Concerned. Must act in overdrive to restore order.”

Lashing out at Mr Modi immediately, TMC Rajya Sabha MP Derek O'Brien tweeted, "PM makes a call to West Bengal governor on ‘political violence’. (Exaggerated 214%). Stop the stunts, Mr Prime Minister. Work the phones on #COVID19India."

In a series of tweets earlier Mr Dhankhar said, "Police @WBPolice @CPKolkata must end senseless political violence, vandalism, arson, killings and intimidation that shames democracy. Bengali diaspora world over has expressed concern over alarming

lawlessness. Why post poll violence only WB? Why this assault on democracy? Reports indicate horrendous state of affairs. Horrified people are fleeing to save themselves. Flooded with SOS appeals. Harmads are on a killing and destruction spree. Such nosediving of constitutional values cannot be countenanced. Call upon @MamataOfficial to restore order."

Mr Nadda claimed, "TMC knew that if BJP would have come to power in the state it would not be able to extort money and play its politics of appeasement. There is a list of names who attacked and killed our party workers. But no one was arrested. I assure that crores of BJP workers stand by each affected here. Their sacrifice will not go in vain. We will fight till the end to give justice to them."

On Wednesday, when TMC chief Mamata Banerjee will take her oath as the chief minister for the third consecutive time, the BJP would organise a nationwide demonstration against the killings of its workers.

Condemning the violence against Opposition parties workers, senior Congress leader and former Union minister Jitin Prasad tweeted: “The post poll violence that has been unleashed by the TMC on the Congress workers is unacceptable. Even women and children are not spared. I am sure the people of West Bengal did not vote for this lawlessness.”

Tagging photographs, CPI(M) Sitaram Yechury tweeted: “Are these reports of gruesome violence in Bengal TMC’s 'victory celebrations'? Condemnable. Will be resisted and rebuffed. Instead of focusing on combating the pandemic, TMC unleashed such mayhem. CPI(M) as always will be with the people to protect, assist, providing relief.”

Many BJP workers and supporters from the state have been sending distress signals to party leadership through social media platforms.

Senior BJP leader and Cabinet minister in Assan, Himanta Biswa Sharma, tweeted: “In a sad development 300-400 BJP karyakartas and family members have crossed over to Dhubri in Assam after being confronted with brazen persecution and violence. We are giving shelter and food. Mamata Didi must stop this ugly dance of democracy. Bengal deserves better.”

BJP leader Anirban Ganguly also tweeted that many BJP workers "had to leave their houses in Bolpur, Birbhum and other constituencies for their safety. They are spending their days in fear."

दावा : बंगाल हिंसा से डरकर असम भागे 400 भाजपा कार्यकर्ता

https://www.amarujala.com/india-news/400-bjp-workers-ran-away-assam-fearing-bengal-violence

पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव के नतीजे आने के बाद हुई हिंसा डरे सहमे करीब 300-400 भाजपा के कार्यकर्ता बंगाल से सुरक्षा की आस में असम पहुंचे हैं। यह दावा असम सरकार में मंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने किया है।

हिमंत ने मंगलवार को ट्वीट कर कहा, एक दुखद घटनाक्रम में बंगाल भाजपा के 300-400 कार्यकर्ता और उनका परिवार असम में धुबरी में आकर रुके हैं। उन लोगों ने बंगाल में अत्याचार और हिंसा का सामना करने के बाद सीमा पार की है। हम सभी को आश्रय और भोजन दे रहे हैं। ममता दीदी को लोकतंत्र के इस गंदे नाच को रोकना होगा। बंगाल बेहतर का हकदार है।

राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने हिंसा की जांच का आदेश दिया

इस बीच, राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने बंगाल हिंसा के मामले सामने आने के बाद जांच का आदेश दिया है। केंद्र ने राज्य में विपक्षी कार्यकर्ताओं पर हमले की घटनाओं को लेकर सरकार से तथ्यात्मक रिपोर्ट सौंपने को कहा है।

Odisha: Man commits suicide inside police station, two cops

http://www.uniindia.com/odisha-man-commits-suicide-inside-police-station-two-cops-suspended/east/news/2387157.html

An Assistant Sub-Inspector (ASI) and a constable of Golanthara Police Station in Ganjam district were placed under suspension in connection with the death of a man inside the police station. The incident took place last evening and the Berhampur SP suspended the two police personnel on the charge of negligence in their duty. The IIC of the concerned police station has been transferred and in his place Gopalpur IIC Bibekananda Mahanta has been posted. The action against the two cops was taken after the Southern Range DIG and Berhampur SP conducted a preliminary investigation into the incident. Berhampur SP Pinak Mishra said the case would be investigated as per the guidelines prescribed by the NHRC. A case has already been registered and investigation is on to find out the reason of death in police custody. Sources said the youth identified as Ganesha Dakua allegedly committed suicide by hanging himself inside Golanthara Police Station on Monday.